

॥ नामरामायणम् ॥

॥ बालकाण्डः ॥

शुद्धब्रह्मपरात्पर  
 कालात्मकपरमेश्वर  
 शेषतल्पसुखनिद्रित  
 ब्रह्माद्यमरप्रार्थित  
 चण्डकिरणकुलमण्डन  
 श्रीमद्वशरथनन्दन  
 कौसल्यासुखवर्धन  
 विश्वामित्रप्रियधन  
 घोरताटकाधातक  
 मारीचादिनिपातक  
 कौशिकमरवसंरक्षक  
 श्रीमद्भृत्योद्धारक  
 गौतममुनिसम्पूजित  
 सुरमुनिवरगणसंस्तुत  
 नाविकधावितमृदुपद  
 मिथिलापुरजनमोहक  
 विदेहमानसरञ्जक  
 त्र्यम्बककार्मुखभञ्जक  
 सीतार्पितवरमालिक  
 कृतवैवाहिककौतुक  
 भार्गवदर्पविनाशक  
 श्रीमदयोध्यापालक

राम राम जय राजा राम।  
राम राम जय सीता राम॥

॥ अयोध्याकाण्डः ॥

अगणितगुणगणभूषित  
अवनीतनयाकामित  
राकाचन्द्रसमानन  
पितृवाक्याश्रितकानन  
प्रियगुहविनिवेदितपद  
तत्क्षालितनिजमृदुपद  
भरद्वाजमुखानन्दक  
चित्रकटाद्रिनिकेतन

राम

दशरथसन्ततचिन्तित  
कैकेयीतनयार्थित  
विरचितनिजपित्रुकर्मक  
भरतार्पितनिजपादुक

राम राम जय राजा राम।  
राम राम जय सीता राम॥

॥ अरण्यकाण्डः ॥

दण्डकावनजनपावन  
दुष्टविराधविनाशन  
शरभङ्गसुतीक्षणार्चित  
अगस्त्यानुग्रहवर्धित  
गृध्राधिपसंसेवित  
पञ्चवटीतटसुरिथत  
शूर्पणखार्त्तिविद्यायक  
खरदूषणमुखसूदक  
सीताप्रियहरिणानुग  
मारीचार्त्तिकृताशुग  
विनष्टसीतान्वेषक  
गृध्राधिपगतिदायक  
कबन्धबाहुच्छेदन  
शबरीदत्तफलाशन

राम राम जय राजा राम।  
राम राम जय सीता राम॥

॥ किष्किन्धाकाण्डः ॥

हनुमत्सेवितनिजपद  
नतसुग्रीवाभीष्ट  
गर्वितवालिसंहारक  
वानरदूतप्रेषक  
हितकर्मलक्ष्मागंगत

राम राम जय राजा राम।  
राम राम जय सीता राम॥

राम  
राम  
राम  
राम  
राम

॥ सुन्दरकाण्डः ॥

कपिवरसन्ततसंस्मृत  
 तद्रुतिविद्धध्वंसक  
 सीताप्राणाधारक  
 दुष्टदशाननदूषित  
 शिष्ठहन्मद्भूषित  
 सीतावेदितकाकावन  
 कृतचूडामणिदर्शन  
 कपिवरवचनाश्वासित  
 राम राम जय राजा राम।  
 राम राम जय सीता राम॥

॥ युद्धकाण्डः ॥

रावणनिधनप्रस्थित  
वानरसैन्यसमावृत  
शोषितसरिदीशार्थित  
विभीषणाभयदायक  
पर्वतसेतुनिबन्धक  
कुम्भकर्णशिरश्छेदक  
राक्षससञ्जिविमर्दक  
अहिमहिरावणचारण  
संहृतदशमुखरावण  
विधिभवमुखसुरसंस्तुत  
खःस्थितदशरथवीक्षित  
सीतादर्शनमोदित  
अभिषिक्तविभीषणनत  
पुष्पकयानारोहण  
भरद्वाजाभिनिषेवण  
भरतप्राणप्रियकर  
साकेतपुरीभूषण  
सकलस्वीयसमानत  
राल्लसत्पीठास्थित

राम

पद्मभिषेकालङ्कृत  
पार्थिवकुलसम्मानित  
विमीषणार्पितरञ्जक  
कीशकुलानुग्रहकर  
सकलजीवसंरक्षक  
समस्तलोकाधारक

राम राम जय राजा राम।  
राम राम जय सीता राम॥

॥उत्तरकाण्डः ॥

आगतमुनिगणसंस्तुत  
विश्रुतदशकण्ठोद्दत्व  
सितालिङ्गननिर्वृत  
नीतिसुरक्षितजनपद  
विपिनत्याजितजनकज  
कारितलवणासुरवध  
स्वर्गतशम्बुकसंस्तुत  
स्वतनयकुशलवनन्दित  
अश्वमेधक्रतुदीक्षित  
कालवेदितसुरपद  
आयोध्यकजनमुक्तिद  
विधिमुखविबुधानन्दक  
तेजोमयनिजरूपक  
संसृतिबन्धविमोचक  
धर्मस्थापनतत्पर  
भक्तिपरायणमुक्तिद  
सर्वचराचरपालक  
सर्वभवामयवारक  
वैकुण्ठालयसंस्थित  
नित्यानन्दपदस्थित

राम राम जय राजा राम।  
राम राम जय सीता राम॥

॥ इति श्रीलक्ष्मणाचार्यविरचितं नामरामायणं सम्पूर्णम् ॥